Nai Dunia (Indore), 21st July 2012, Page-17

लिंगानुपात के मामले में आईआईटी इंदौर अव्वल

नई बैच के विद्यार्थियों में 19 प्रश छात्राएँ

देश के अन्य आईआईटी में छात्राओं का अनुपात इससे भी कम

इंदौर। लिंगानुपात की दृष्टी से आईआईटी इंदौर ने देश के अन्य सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों को पीछे छोड़ दिया है। छात्रों के मुकाबले संस्थान में पढ़ने वाली छात्राओं की संख्या आईआईटी इंदौर की नई बैच में अन्य आईआईटी से बेहतर है। 25 जुलाई से आईआईटी इंदौर में नई बैच की कक्षाएँ शुरू हो रही हैं।

आईआईटी के डीन,एकेडमिक डॉ. निलेश कुमार जैन के अनुसार 23 जुलाई को संस्थान में सत्र 2012-13 के नए विद्यार्थियों का परिचय एवं पंजीयन होगा। पहले से आईआईटी में पढ़ रहे छात्र नए सत्र के लिए पंजीयन 24 जुलाई को करवाएँगे। इसके बाद 25 जुलाई से नए सत्र की कक्षाएँ शुरू होंगी। डॉ. जैन के मुताबिक संस्थान में बीटेक की तीन ब्रांचों में कुल 120 सीटें हैं।

नए सत्र में 119 विद्यार्थी प्रवेश ले रहे हैं। इन विद्यार्थियों में 23 छात्राएँ हैं। लिंगानुपात की दृष्टी से छात्राओं की यह संख्या अन्य आईआईटी के मुकाबले सबसे बेहतर है। नए सत्र के लिए पीएचडी के भी 48 शोधार्थियों का चयन किया गया है। इनको मिलाकर आईआईटी में पीएचडी करने वाले शोधार्थियों की संख्या 121 हो जाएगी। यह भी अन्य नए स्थापित आईआईटी के मुकाबले सबसे ज्यादा हैं।